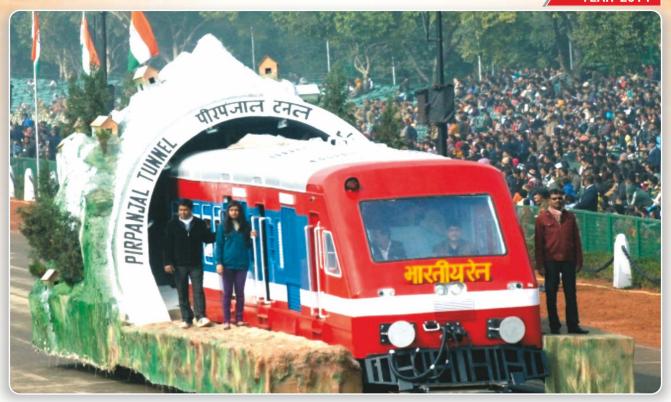


YEAR-2014



पीर पंजाल सुरंग के जरिए भारतीय रेल ने उपलब्ध कराया कश्मीर घाटी से संपर्क

26 जून, 2013 को भारतीय रेल ने भारत की सबसे लंबी और एशिया की तीसरी सबसे लंबी परिवहन सुरंग, पीर पंजाल सुरंग का शुभारंभ किया था। 11 किलोमीटर लंबी सुरंग जो कि जम्मू क्षेत्र से कश्मीर घाटी को जोड़ने हेतु सबसे महत्वपूर्ण चरण था, के पूर्ण होने से रेल संपर्क के एक नये युग का अभ्युदय हुआ है।

रेलवे को पीर पंजाल की श्रेणियों से गुजरने का मार्ग उपलब्ध करवाकर इसने राज्य के विकास की गित को बढ़ावा दिया है। इससे लोगों को खराब मौसम में सड़कें बंद होने की समस्या से छुटकारा मिला है। इस सुरंग ने राज्य के दूर—दराज के लोगों को सस्ता एवं आसान परिवहन उपलब्ध कराया है, जिसका सामाजिक—आर्थिक प्रभाव असीम होगा।

देश के कोने-कोने तक रेल संपर्क मुहैया कराने के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में भारतीय रेलवे का यह एक बड़ा कदम है।

INDIAN RAILWAYS PROVIDE CONNECTIVITY TO KASHMIR VALLEY THROUGH PIR PANJAL TUNNEL

On 26th June, 2013, the longest transportation tunnel in India, the third longest in Asia, the Pir Panjal Railway Tunnel was commissioned by the Indian Railways. Heralding a new era of railway connectivity, this 11-Km long tunnel completes the most important stage of connecting the Kashmir Valley with Jammu region.

This tunnel, which has allowed the railway to pass through the Pir Panjal range, has accelerated the process of development in the state. It has obliterated the connectivity issues faced by the people due to inclement weather which causes the closure of the roadways. The socio-economic impact of the tunnel is expected to be tremendous as it has allowed cheaper and easier mobility to the people of the state, providing better access to far-flung places.

This is a big step forward for Indian Railways towards its goal of providing rail connectivity to the farthest corners of the country.